



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 476]

नई दिल्ली, मंगलवार, अक्टूबर 29, 1985/कार्तिक 7, 1907

No. 476] NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 29, 1985/KARTIKA 7, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह भाग संकलन के रूप में  
रखा जा सके ।

Separate Faglug is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

परिवहन मंत्रालय

(नागर विमानन विभाग)

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर, 1985

अधिसूचना

सा. का. नि. 816(अ).—केन्द्रीय सरकार, वायुयान अधि-  
नियम, 1934 की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते  
हुए, वायुयान नियम, 1937 का और संशोधन करने के लिए  
निम्नलिखित नियम बनाती है :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वायुयान (छठा संशोधन)  
नियम, 1985 है ।

(2) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा ।

2. वायुयान नियम 1937 के नियम 75 के उप-नियम (2) के  
स्थान पर निम्नलिखित उप-नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(2) न्यायालय अन्वेषण खुले न्यायालय में ऐसी रीति में  
और उन शक्तों के अधीन करेगा जिन्हें वह दुर्घटना  
के कारणों और परिस्थितियों के अभिनिश्चय के

लिए और इसमें इसके पश्चात् वर्णित रिपोर्ट करने  
के लिए उसे समर्थ बनाने के लिए ठीक समझता है;

परन्तु जहाँ न्यायालय की यह राय है कि अन्वेषण  
करने से —

(क) किसी देश के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की  
संभावना है ; या

(ख) ऐसे किसी व्यक्ति का जो कोई कथन करने या  
साक्ष्य देने के लिए राजामंद है, वैयक्तिक क्षेम  
संकट में पड़ने की संभावना है,

तो वहाँ न्यायालय, पूर्णतः या भागतः अन्वेषण बन्द  
करने में कर सकेगा ।”

[फाइल सं. एवी-11012/4/85-ए.]

विवेकानन्द पटनायक, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण :—मूल नियम अधिसूचना सं. 5-26 तारीख 23 मार्च,  
1937 द्वारा भारत के राजपत्र (भाग-1) दिनांक  
27-3-1937 में प्रकाशित किए गए थे । तत्पश्चात्  
वाद में उनका अधिसूचना सं. का. नि. अ.  
सं. 3779, तारीख 23 दिसम्बर, 1985 द्वारा  
संशोधन किया गया है ।

## MINISTRY OF TRANSPORT

(Department of Civil Aviation)

New Delhi, the 29th October, 1985

## NOTIFICATION

G.S.R. 816(E).—In exercise of the powers conferred by section 5 of the Aircraft Act, 1934, the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, namely :—

1. (1) These rules may be called the Aircraft (Sixth Amendment) Rules, 1985.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Aircraft Rules, 1937, for sub-rule (2) of rule 75, the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(2) The Court shall hold the investigation in open court in such manner and under such conditions as the Court may think fit for ascertaining the causes and circumstan-

ces of the accident and for enabling it to make the report hereinafter mentioned :

Provided that where the Court is of opinion that holding the investigation is likely—

- (a) to be prejudicial to the interests of any country; or
- (b) to jeopardise the personal safety of a person who is willing to make any statement or give evidence,

the Court may, hold in camera, the whole or part of the investigation.”

[File No. AV. 11012/4/85-A]

V. PATTANAYAK, Jt. Secy.

## FOOT NOTE

Principal rules published vide Notification No. V-26 dated 23rd March, 1937 in the Gazette of India (Part I) dated 27-3-1937. Subsequently amended by Notification No. S.R.O. 3779, dated 23rd December, 1955.